प्रतिदर्श प्रश्न पत्र– 2026
हिन्दी
कक्षा– 10

समयः 3 घण्टे **पूर्णांकः 80**

नोट– 1. प्रश्न पत्र में दो खण्ड 'अ' तथा 'ब' हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. सभी प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित किये गये हैं।

खण्ड– अ

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उतर लिखिए–

माता अपने सब पुत्रों को समान भाव से चाहती हैं। इसी प्रकार पृथ्वी पर बसने वाले जन बराबर हैं। उनमें ऊंच और नीच का भाव नहीं है। जो मातृभूमि के उदय के साथ जुङा हुआ है वह समान अधिकार का भागी है। पृथ्वी पर निवास करने वाले जनों का विस्तार अनंत है– नगर और जनपद, पुर और गांव, जंगल और पर्वत नाना प्रकार के जनों से भरे हुए हैं। ये जन अनेक प्रकार की भाषाएं बोलने वाले और अनेक धर्म को मानने वाले हैं, फिर भी ये मातृभूमि के पुत्र हैं और इस प्रकार उनका सौहार्द भाव अखंड है। सभ्यता और रहन–सहन की दृष्टि से जन एक–दूसरे से आगे पीछे हो सकते हैं, किंतु इस कारण से मातृभूमि के साथ उनका जो संबंध है, उसमें कोई भेदभाव उत्पन्न नहीं हो सकता। पृथ्वी के विशाल प्रांगण में सब जातियों के लिए समान क्षेत्र हैं। समन्वय के मार्ग से भरपूर प्रगति और उन्नति करने का सबको एक जैसा अधिकार है। किसी जन को पीछे छोड़कर राष्ट्र आगे नहीं बढ़ सकता। अतएव राष्ट्र के प्रत्येक अंग की सुध हमें लेनी होगी। राष्ट्र के शरीर के एक भाग में यदि अंधकार और निर्बलता का निवास है तो समस्त राष्ट्र का स्वास्थ्य उतने अंश में असमर्थ रहेगा। इस प्रकार समग्र राष्ट्र को जागरण और प्रगति की एक जैसी उदार भावना से संचालित होना चाहिए। जन का प्रवाह अनंत होता है। सहस्त्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है। जब तक सूर्य की रश्मियां नित्य प्रातः काल भुवन को अमृत से भर देती हैं तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है। इतिहास के अनेक उतार–चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र निवासी जन नई उठती लहरों से आगे बढ़ाने के लिए अजर–अमर हैं। जन का सततवाही जीवन नदी की प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम के द्वारा उत्थान के अनेक घातों का निर्माण करना होता है।

प्रश्न–

(क)– पृथ्वी पर बसने वाले समस्त जनों की तुलना किस से की गयी ? (2)

(ख)– 'मातृभूमि के पुत्र' से लेखक का क्या आशय है ? (2)

(ग)– तादात्मय का अर्थ है– (1)

(1) एक हो जाना (2) बिखर जाना (3) नष्ट हो जाना (4) राष्ट्रीय भावना का उदय होना।

(घ)– 'सततवाही' में प्रत्यय होगा– (1)

(1) तवाही (2) वाही (3) आही (4) अही।

(ङ)– गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। (1)

2. दिए गए संकेत बिंदु के आधार पर किसी **एक** विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए। (8)

(क)– उत्तराखण्ड में पर्यटन की संभावना

1. प्रस्तावना
2. उत्तराखण्ड की भौगोलिक स्थिति
3. उत्तराखण्ड के प्रमुख पर्यटन स्थल
   (क) मुख्य राष्ट्रीय उद्यान (ख) उत्तराखण्ड के चार धाम
4. पर्यटकों को दी जाने वाली सुविधाएं
5. उत्तराखण्ड की भाषा
6. उपसंहार।

(ख)– सोशल मीडिया का प्रभाव

1. प्रस्तावना
2. सोशल मीडिया के प्रमुख प्लेटफार्म
3. सोशल मीडिया के लाभ और हानियां
4. सोशल मीडिया का समाज पर प्रभाव
5. सावधानियां और समाधान
6. उपसंहार

3. एक विद्यार्थी के रुप में आप यह देखकर चिंतित हैं कि बाजार में फल और सब्जियों को कृत्रिम तरीकों से पकाया और रंगा जा रहा है। इससे लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इस विषय पर अपने सुझाव देते हुए संपादक को पत्र लिखिए (लगभग 100 शब्दों में)। (4)

अथवा

वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत क्षेत्रीय वनाधिकारी कार्यालय से निःशुल्क पौध उपलब्ध करायी जा रही हैं। आप अपनी आवश्यकता के अनुरूप भिन्न–भिन्न प्रजाति के पौधे प्राप्त करने हेतु एक आवेदन–पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम विवेक/रश्मि है।)

4. निम्नलिखित वाक्यों में क्रियापद और क्रिया–भेद बताइए–

(क) शिक्षक ने विद्यार्थियों को पढ़ाया। (1)

(ख) ''लड़का हँस रहा है।'' वाक्य में क्रिया का प्रकार है– (1)

(1) सकर्मक क्रिया (2) अकर्मक क्रिया (3) सहायक क्रिया (4) भाववाचक क्रिया

5.(क) ''धीरे–धीरे चलो।'' में अव्यय है– (1)

क्रिया विशेषण, समुच्चयबोधक, निपात

(ख) नीचे दिए शब्दों में से अव्यय शब्द है– (1)

बच्चा, सुंदर, कल, किताब,

6. वाक्य का भेद बताइए–

(क) ''तुम कहॉ जा रहे हो''?–यह कौन–सा वाक्य है ? (1)

(ख) ''मैं स्कूल जा रहा हूँ।''– प्रश्नवाचक वाक्य में बदलिए। (1)

7. निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए–

(क) मॉ ने खाना बनाया। – (कर्मवाच्य में) (1)

(ख) वाच्य का नाम बताइए– ''लड़के ने पुस्तक पढ़ी''। (1)

8.(क) निम्नांकित में से कौन–सा शब्द "हरि" के अर्थ में प्रयुक्त नहीं होता– (1)

(अ) विष्णु (ब) शिव (स) नारद (द) बंदर

(ख) निम्नलिखित में से कौन–सा शब्द ''वसुमति'' का समानार्थी नहीं हैं– (1)

(अ) मेदिनी (ब) उर्वी (स) यामिनी (द) क्षिति

9. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी **एक** काव्यांश के नीचे दिए गए किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (2×2=4)

(1) बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि–पुनि मोहि देखाव कुठारू। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।
इहॉ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहिं।।
देखि कुठारू सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी।।
सुर महिसुर हरिजन अरू गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।

(क) लक्ष्मण ने हंसते हुए परशुराम जी से क्या वचन कहे ?

(ख) लक्ष्मण ने परशुराम जी से अपने क्रोध को सहन करने का क्या कारण बताया ?

(2) ऊधौ तुम हौ अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहं तेल की गागरि, बूंद न ताकौं लागी।
प्रीति–नदी मैं पाउं न बोर्‌यौ, दृष्टि न रूप परागी।
सूरदास अबला हम भोरी, गुर चांटी ज्यौं पागी।

(क) "ऊधौं, तुम हौ अति बड़भागी।" यह व्यंगोक्ति उद्धव के किस व्यवहार की ओर संकेत करता है?

(ख) गोपियों ने 'उद्धव' को अति बड़भागी क्यों कहा हैं ?

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (2×2=4)

(क) 'आत्मकथ्य' पाठ के आधार पर बताइए कि कवि ने अपनी आत्मकथा लिखने से मना क्यों कह दिया?

(ख) फागुन की विशेषताओं को कवि ने किस प्रकार वर्णित किया है? ''अट नहीं रही है'' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) संगतकार की भूमिका संगीत के अलावा किन–किन क्षेत्रों में दिखाई देती है? पाठ के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

11– निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (1×2=2)

(क) उद्धव द्वारा दिए योग संदेश सुनकर गोपियों ने क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की?

(ख) 'यह दंतुरित मुसकान' पाठ के आधार पर बच्चे की मुस्कान का क्या प्रभाव पड़ता है?

12. निम्नलिखित गद्यांशों मे से किसी **एक** गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए– (2×2=4)

पर यह सब तो मैंने केवल सुना। तब तो इन गुणों के भग्नावशेषों को ढोते पिता थे। एक बहुत बड़े आर्थिक झटके के कारण वे इंदौर से अजमेर आ गए थे, जहाँ उन्होंने अपने अकेले के बल–बूते और हौसले से अंग्रेजी–हिन्दी शब्दकोश (विषयवार) के अंधूरे काम को आगे बढ़ाना शुरू किया जो अपनी तरह का पहला और अकेला शब्दकोश था। इसने उन्हें यश और प्रतिष्ठा तो बहुत दी, पर अर्थ नहीं और शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया। सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात तक की अनुमति नहीं देता था कि वे कम–से–कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ।नवाबी आदतें,अधूरी महत्वाकांक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कॅपाती–थरथराती रहती थीं। अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे जिन्होंने आँख मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों मे इतना शक्की बना दिया था कि जब–तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते ही रहते।

(क)– लेखिका ने अपने पिता की किस स्थिति का वर्णन किया है?
(ख)– मन्नू भंडारी के पिता के व्यक्तित्व के सकारात्मक पहलू किस प्रकार नष्ट होते चले गए?
(ग)– लेखिका के पिता अपने बच्चों को अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार क्यों नहीं बनाते थे?

अथवा

आग के आविष्कार में कदाचित पेट की ज्वाला की प्रेरणा एक कारण रही। सुई–धागे के आविष्कार में शायद शीतोष्ण से बचने तथा शरीर को सजाने की प्रवृत्ति का विशेष हाथ रहा। अब कल्पना कीजिए उस आदमी की जिसका पेट भरा है ,जिसका तन ढॅका है, लेकिन जब वह खुले आकाश के नीचे सोया हुआ रात के जगमगाते तारों को देखता है, तो उसको केवल इसलिए नींद नहीं आती क्योंकि वह यह जानने के लिए परेशान है कि आखिर यह मोती भरा थाल क्या है? पेट भरने और तन ढॅकने की इच्छा मनुष्य की संस्कृति की जननी नही है। पेट भरा और तन ढॅका होने पर भी ऐसा मानव जो वास्तव में संस्कृत है, निठल्ला नहीं बैठ सकता। हमारी सभ्यता का एक बडा अंश हमें ऐसे संस्कृत आदमियों से ही मिला है, जिनकी चेतना पर स्थूल भौतिक कारणों का प्रभाव प्रधान रहा है, किंतु उसका कुछ हिस्सा हमें मनीषियों से भी मिला है जिन्होंने तथ्य–विशेष को किसी भौतिक प्रेरणा के वशीभूत होकर नही, बल्कि उनके अपने अंदर की सहज संस्कृति के कारण प्राप्त किया है। रात के तारों को देखकर न सो सकने वाला मनीषी हमारे आज के ज्ञान का ऐसा ही प्रथम पुरस्कर्ता था।

(क) आग के आविष्कार और सुई–धागे के आविष्कार के पीछे क्या प्रेरणा रही होगी?
(ख) हमारी सभ्यता का एक बड़ा अंश हमें कहां से प्राप्त होता है?
(ग) प्रथम पुरस्कर्ता कौन था ?

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर दीजिए– (2×2=4)

(क) बालगोबिन भगत की दिनचर्या को देखकर लोग आश्चर्य में क्यों पड़ जाते थे?
(ख) कैप्टन चश्मे वाला नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मूर्ति का चश्मा क्यों बदलता था?
(ग) कॉलेज से प्रिंसिपल के शिकायती पत्र के पश्चात् मन्नू भंड़ारी के पिता की क्या प्रतिक्रिया थी?

14. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(क) पुत्र की मृत्यु के बाद भी बालगोबिन भगत ने शोक व्यक्त करने के बजाय उत्सव मनाने की बात क्यों कही? (2)

(ख) लेखिका के पिता ने रसोई को भटियार खाना क्यों कहा? (1)

15. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों का उत्तर दीजिए– (2×3=6)

(क) लेखक का वास्ताविक नाम क्या था और उसका नाम 'भोलानाथ' क्यों पड़ा?

(ख) झिलमिलाते सितारों से भरा गंतोक लेखिका को किस प्रकार सम्मोहित करता है?

(ग) भोलानाथ के पिता की दिनचर्या कैसी थी?

(घ) 'कटाओ' पर किसी भी दुकान का न होना वरदान क्यों माना गया?

खण्ड– ब

16. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश को पढ़कर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (2×3=6)

एकदा ग्रामे हिमालयात् एकः मुनिरागच्छत्। सः विद्वान् जनेषु पूज्यनीयः आसीत्। किंचित्कालपर्यन्तं सः ग्रामे एव अवसत्। सोऽपि राजेशस्य दिनचर्यां दृष्टवा चिन्तितोऽभवत्। सः जनान् प्रकृतेः जीवानां च रक्षणाय प्रेरयति। सः कथयति–''प्रकृतेः त्यागपूर्वकम् उपभोगः भवेत्। सर्वेषां जीवानां कृते प्रकृत्या बहुमूल्यानि उपहाराणि प्रदत्तानि। एतेषां रक्षणेनैव अस्माकं रक्षा भविष्यति। ''एवं सः जनान् बहुविधम् अवबोधयति। जनाः अपि तस्य वचनेषु श्रद्धां धारयन्ति। ते प्रकृतेः उपहाराणां जीवानां च रक्षणायः तत्परा अभवन्। किन्तु राजेशः कर्णेनैकेन श्रुत्वा अपरेण निष्कासितवान्। तस्य चर्यायां किपपि परिवर्तनं न जातम्। मुनिना तं सन्मार्गे आनेतुं मनसि दृढ़–निश्चयः कृतः। सः उचितावसरम् अन्विष्यन् वने राजेशस्य आनुगमनं करोति स्म।

(क) ग्रामे मुनिः कुतः आगच्छत् ?

(ख) कः राजेशस्य दिनचर्यां दृष्ट्वा चिन्तितोऽभवत् ?

(ग) मुनिना राजेशं सन्मार्गे आनेतुं किं कृतः ?

(घ) 'प्रकृतेः त्यागपूर्वकम् उपभोगः भवेत्' इति कः कथयति ?

17. निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर दिये गये प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए–

क्षणशः कणशश्चैव विद्यामर्थं च चिन्तयेत्।
क्षणत्यागे कुतो विद्या, कणत्यागे कुतो धनम्।

(क) विद्यामर्थं च कथं चिन्तयेत् ? (2)

(ख) क्षणशः चिन्तयेत्– (1)
विद्यार्थं, धनार्थं, सम्मानार्थं, वाणिज्यार्थं

(ग) कणत्यागे किं ..... प्राप्यते ? (गृहं/धनं/विद्यां) (1)

18. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए– (2×3=6)

(क) राजेशः कति वर्षदेशीय बालकः आसीत् ?

(ख) सौम्या किमर्थं सज्जतां कृतवती ?

(ग) श्री बद्रीनाथमंदिरं कस्याः नद्याः तटे स्थितम्?

(घ) भारते कानि कानि प्रमुखानि पर्वाणि सन्ति ?

19. निम्नलिखित पदों में से किन्हीं चार पदों की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए– (1/2×4=2)

(क) राजेशः ..... वर्षदेशीयः आसीत्। (षोडश/अष्टादश)

(ख) अहं संस्कृतशिक्षकः .....। (अस्ति/सन्ति/अस्मि)

(ग) एकदा ग्रामे ..... एकः मुनिः आगच्छत्। (आपणात्/हिमालयात्)

(घ) द्वारिकापुरी ..... निमग्ना जाता। (आकाशे/नद्यां/भूमौ)

(ड़) जगन्नाथस्य भगिनी ..... अस्ति। (लक्ष्मी/सीता/सुभद्रा)

(च) वृक्षाः ..... इव। (देवपुत्र/दशपुत्र/सत्पुरुषः)

20. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए– (1×4=4)

(क) शे + अनम् की सन्धि होगी–

1. शेनम 2. शयनम् 3. शेअनम् 4. शायनम्

(ख) स्वागतम् की सन्धि–विच्छेद होगी–

1. स्वा+आगतम् 2. सु+अगतम् 3. सु+आगतम् 4. स्+वागतम्

(ग) राजपुत्रः शब्द में समास है–

1. अव्ययीभाव 2. द्वन्द्व 3. तत्पुरुष 4. द्विगु

(घ) अधिकरण वाला कारक शब्द है–

1. ग्रामे 2. राजेशः 3. हिमालयात् 4. बालकं

(ङ) प्रतिकार में उपसर्ग होगा–

1. प्र 2. प्रति 3. पति 4. प्रती

21. नीचे दिए गए स्वतंत्र पदों में से किन्हीं चार पदों की वाक्य रचना कीजिए– (1/2×4=2)

अपतत्, करिष्यामि, सन्ति, हिमालयात्, दृष्ट्वा, अहं

अथवा

नीचे दिए गए वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए– (1×2=2)

1. रमा पुस्तक पढ़ती है।
2. कल हम बाजार जाऐंगे।
3. मैंने पत्र लिखा।

*****